अध्याय 1: किरन

विषय-सूची

7 प्रश्नावली · 19 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1	बातचीत के लिए	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.2	पाठ से (बहुविकल्पीय प्रश्न)	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.3	सोचिए और लिखिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 1.4	समझ और अनुभव	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.5	अनुमान और कल्पना	2 प्रश्न
प्रश्नावली 1.6	भाषा की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 1.7	आपकी बातचीत	1 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आपको कैसे पता चलता है कि सुबह हो गई है?

उत्तर: नमूना उत्तर: सुबह होने पर आकाश में उजाला फैल जाता है, चिड़ियाँ चहचहाने लगती हैं और ठंडी हवा चलने लगती है। घर में सब जाग जाते हैं और काम-काज शुरू हो जाता है।

प्रश्न 2

ऐसे कौन-कौन से कार्य हैं जो सूर्य के प्रकाश के बिना संभव नहीं हैं?

उत्तर: सूर्य के प्रकाश के बिना पेड़-पौधों का बढ़ना, कपड़े सुखाना, खेत में फसल उगाना और बाहर खेलना संभव नहीं है। सौर ऊर्जा से बिजली बनाना भी सूर्य के प्रकाश पर निर्भर है।

प्रश्न 3

सुबह और शाम में से आपको कौन-सा समय अधिक अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे सुबह का समय अधिक अच्छा लगता है क्योंकि उस समय हवा ताज़ी होती है, पक्षी गाते हैं और मन एकदम तरोताज़ा रहता है। सुबह पढ़ाई भी जल्दी याद होती है।

प्रश्नावली 1.2 — पाठ से (बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्रश्न 1

किरन के अनुसार वह मुख्य रूप से कौन-सा काम करती है? (क) सोते बच्चों को जगाना (ख) खेलते बच्चों को सुलाना (ग) बच्चों के साथ खेलना (घ) परी कथाएँ पढ़ना-पढ़ाना

उत्तर: (क) सोते बच्चों को जगाना। किरन कहती है — 'बच्चे जो बिस्तर में सोए होते, उन्हें जगाती हूँ।'

प्रश्न 2

बालिका को बहुत देर तक नींद क्यों नहीं आई? (क) क्योंकि वह देर रात तक खेल रही थी। (ख) क्योंकि वह पढ़ रही थी। (ग) क्योंकि उसे बहुत गरमी लग रही थी। (घ) क्योंकि वह घूमने गई थी।

उत्तर: (ख) क्योंकि वह पढ़ रही थी। कविता में कहा गया है — 'परी कथाएँ पढ़ते-पढ़ते बड़ी देर में सो पाई।'

प्रश्न 3

जब किरन आई, उस समय बालिका क्या कर रही थी? (क) वह सो रही थी। (ख) वह खेल रही थी। (ग) वह गीत गा रही थी। (घ) वह पढ़ और लिख रही थी।

उत्तर: (क) वह सो रही थी। कविता की पहली पंक्ति में बालिका कहती है — 'मैं तो बिस्तर में से अपने अब तक निकल नहीं पाई।'

प्रश्नावली 1.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

किरन ने दूसरी दुनिया में जाने की बात क्यों कही होगी?

उत्तर: किरन (सूरज की किरण) यहाँ शाम होते ही चली जाती है और दूसरी ओर (पृथ्वी के उस हिस्से में) सुबह हो जाती है। वहाँ के बच्चों को जगाने के लिए वह 'दूसरी दुनिया' में जाती है — यह पृथ्वी के घूमने की ओर संकेत है।

प्रश्न 2

"वहाँ शाम हो जाती है तो लौट यहाँ फिर आती हूँ।" — इन पंक्तियों में 'वहाँ' और 'यहाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं?

उत्तर: 'वहाँ' का अर्थ है पृथ्वी का वह दूसरा भाग जहाँ किरन सोते बच्चों को जगाने जाती है (जहाँ उस समय सुबह होती है)। 'यहाँ' का अर्थ है वह स्थान जहाँ बालिका रहती है — अर्थात् हमारी यह दुनिया।

प्रश्न 3

प्रकृति हमें प्रकाश, फल, फूल, लकड़ी, वायु, पानी और बहुत कुछ देती है। हम प्रकृति के लिए क्या-क्या कर सकते हैं? सोचिए और अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: हम प्रकृति के लिए पेड़ लगा सकते हैं, पानी बर्बाद नहीं करेंगे, प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे और कचरा नदियों में नहीं फेंकेंगे। इस प्रकार प्रकृति को स्वच्छ और हरा-भरा रख सकते हैं।

प्रश्न 4

कविता की किन पंक्तियों से पता चलता है कि किरन बालिका के साथ दिन भर रहती है? उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए।

उत्तर: निम्नलिखित पंक्तियों से पता चलता है कि किरन दिन भर बालिका के साथ रहती है — "कल तो तेरे साथ शाम तक खेल बहुत से खेली मैं।" ये पंक्तियाँ बताती हैं कि किरन सुबह से शाम तक बालिका के साथ खेलती रहती है।

प्रश्नावली 1.4 — समझ और अनुभव

प्रश्न 1

किरन कितना परिश्रम करती है — यहाँ से वहाँ नियत समय पर प्रतिदिन आती-जाती है। आपको अपने आस-पास कौन-कौन परिश्रम करते दिखाई देते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मेरे आस-पास किसान खेतों में, मजदूर इमारतें बनाते हुए, माँ घर के काम करते हुए और सफाईकर्मी सड़कें साफ करते हुए परिश्रम करते दिखाई देते हैं। ये सभी किरन की तरह नियमित रूप से काम करते हैं।

प्रश्न 2

वे कौन-कौन से लोग हैं जो किरन की भाँति आपको जगाते हैं, आपके साथ खेलते हैं और प्रोत्साहित करते हैं? उनके लिए आप क्या-क्या करते हैं, यह भी लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ-पिताजी मुझे जगाते हैं, मेरे दोस्त मेरे साथ खेलते हैं और शिक्षक मुझे प्रोत्साहित करते हैं। उनके लिए मैं आज्ञाकारी रहता/रहती हूँ, समय पर पढ़ाई करता/करती हूँ और उनकी बात मानता/मानती हूँ।

प्रश्न 3

आपके घर या प्रदेश में सूर्य अथवा चाँद से जुड़े किसी एक त्योहार का पता लगाइए और उसके बारे में लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: 'मकर संक्रांति' सूर्य से जुड़ा त्योहार है। यह जनवरी में मनाया जाता है जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। इस दिन लोग पतंग उड़ाते हैं, तिल-गुड़ खाते हैं और नदियों में स्नान करते हैं।

प्रश्नावली 1.5 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

यदि किरन कभी न आए या न जाए तो क्या होगा?

उत्तर: यदि किरन (सूर्य की किरण) कभी न आए तो धरती पर अँधेरा छा जाएगा, पेड-पौधे मुरझा जाएंगे और सर्दी बढ़ जाएगी। यदि किरन कभी न जाए तो हर समय तेज़ धूप रहेगी और रात ही नहीं होगी — सब थक जाएंगे और सोना मुश्किल हो जाएगा।

प्रश्न 2

यदि आपको किरन के साथ दूसरी दुनिया में जाने का अवसर मिले तो आप कहाँ जाना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि मुझे किरन के साथ जाने का मौका मिले तो मैं जापान जाना चाहूँगा/चाहूँगी, क्योंकि वहाँ सबसे पहले सूरज उगता है। मैं वहाँ के बच्चों से मिलना चाहूँगा/चाहूँगी और उनकी पढ़ाई व खेल-कूद के बारे में जानना चाहूँगा/चाहूँगी।

प्रश्नावली 1.6 — भाषा की बात

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्दों पर घेरा बनाइए — • नभ — आकाश, अंबर, नभचर • हवा — वायु, व्योम, पवन • पेड़ — विशाल, वृक्ष, तरु • फूल — कुसुम, सरिता, सुमन • दुनिया — भूमि, संसार, विश्व

उत्तर: नभ के समानार्थी: आकाश, अंबर। (नभचर = आकाश में विचरण करने वाला, समानार्थी नहीं) हवा के समानार्थी: वायु, पवन। (व्योम = आकाश) पेड़ के समानार्थी: वृक्ष, तरु। (विशाल = बड़ा, समानार्थी नहीं) फूल के समानार्थी: कुसुम, सुमन। (सरिता = नदी) दुनिया के समानार्थी: संसार, विश्व। (भूमि = ज़मीन)

प्रश्न 2

दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्दों से कीजिए — (क) मैं आज यह परी-कथा पढ़ूँगा, _____ आप पढ़ लेना। (ख) मैं जब तक खेलने के लिए आई तब तक हरिका चली _____ थी। (ग) वह _____ आया और शाम को चला गया। (घ) मेरे जागने और _____ का समय निश्चित है।

उत्तर: (क) कल — 'आज' का विपरीत अर्थ 'कल' है। (ख) गई — 'आई' का विपरीत अर्थ 'गई' है। (ग) सुबह — 'शाम' का विपरीत अर्थ 'सुबह' है। (घ) सोने — 'जागने' का विपरीत अर्थ 'सोने' है।

प्रश्न 3

सामान्य रूप से कही गई किसी बात को कविता के रूप में लिखने का प्रयास कीजिए। उदाहरण: 'चंद्रमा चमक रहा है, तारे भी चमक रहे हैं...' → 'चंदा चमका तारे चमके / चमका सारा अंबर'

उत्तर: नमूना उत्तर: 'बारिश हो रही है, पानी बह रहा है, मेंढक बोल रहे हैं।' को कविता रूप में — "बरखा बरसी, नदिया बह चली, मेंढक बोले टर-टर-टर। भीगे पेड़, भीगी धरती, भीगा घर का आँगन-दर।"

प्रश्नावली 1.7 — आपकी बातचीत

प्रश्न 1

यदि आपको वृक्ष, पानी, चाँद, पत्ता, हवा, मिट्टी, तितली, बादल में से किसी एक से बात करने का अवसर मिले तो आप किससे बात करना चाहेंगे? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं पेड़ से बात करना चाहूँगा/चाहूँगी। मैं उससे पूछूँगा/पूछूँगी — 'तुम इतनी गरमी और बारिश सहकर भी हमें छाया और फल कैसे देते रहते हो? क्या तुम्हें कभी थकान नहीं होती?' (गतिविधि — कक्षा में सहपाठियों के साथ इस बातचीत का अभिनय करें।)